ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-05-2025

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-05-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-05-17	2025-05-18	2025-05-19	2025-05-20	2025-05-21
वर्षा (मिमी)	5.0	4.0	0.0	6.0	7.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	33.0	32.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	17.0	17.0	18.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	70	70	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	7	6	5	6
पवन दिशा (डिग्री)	140	140	140	140	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	5	1	6	6
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; ओलावृष्टि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

आगामी सप्ताह में 4-7 मिमी की बहुत हल्की वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.0-33.0 डिग्री सेल्सियस और 17.0-18.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 5-7 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की उम्मीद है। 16, 19 और 20 मई को नैनीताल में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने के साथ आंधी/तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे)/ओलावृष्टि/तूफान आने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

तूफान और बिजली, आदि और तेज सतही हवाएं।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

ताजे पौधों को नुकसान तथा रासायनिक छिड़काव, सिंचाई और निराई-गुड़ाई सहित नियमित कृषि गतिविधियों में व्यवधान।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान 23.05.2025 से 29.05.2025 के दौरान कम वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार आंधी/बिजली/तूफान और तेज सतही हवाओं की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए किसी भी प्रकार के रासायनिक प्रयोग को बिना किसी चेतावनी वाले दिन पर ही करना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	मध्यम ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में सिंचित परिस्थितियों में नर्सरी तैयार करनी चाहिए तथा उच्च उपज देने वाली किस्मों के उपचारित बीजों का उपयोग करना चाहिए। चेतकी धान में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई तथा सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई तथा नर्सरी की तैयारी बिना चेतावनी के दिन में करनी चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	कम अवधि वाली अच्छी तरह से उपचारित और अधिक उपज देने वाली किस्मों की बुवाई की जानी चाहिए। बुवाई शुष्क दिनों में की जानी चाहिए और तेज़ हवा वाले दिनों में नहीं की जानी चाहिए।
मक्का	मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में फसल की बुआई महीने के दूसरे पखवाड़े में की जा सकती है। बुआई शुष्क दिनों में की जानी चाहिए और तेज हवा के झोंकों से बचना चाहिए।
बरनार्ड मिल	ऊंची पहाड़ियों पर पारंपरिक किस्मों या अधिक उपज देने वाली किस्मों को बोया जाना चाहिए। बुआई शुष्क दिनों में की जानी चाहिए और तेज हवा के झोंकों से बचना चाहिए।
रागी	ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में इन फसलों की बुवाई दूसरे पखवाड़े में की जा सकती है। अधिक उपज देने वाले तथा अच्छी तरह उपचारित बीजों का उपयोग किया जाना चाहिए। बुआई शुष्क दिनों में की जानी चाहिए और तेज हवा के झोंकों से बचना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	यदि प्याज की फसल तैयार हो गई है और पत्तियां सतह पर गिर रही हैं तो सिंचाई बंद कर देनी चाहिए और आगामी 15-20 दिनों में खुदाई करनी चाहिए। कटाई का कार्य शुष्क दिनों में किया जाना चाहिए।
टमाटर	टमाटर की फसल में विषाणु जनित रोगों के नियंत्रण के लिए संक्रमित पौधों को हटा कर नष्ट कर दें (जब सिकुड़ी हुई धब्बेदार पत्तियाँ दिखाई देने लगें)। इन फसलों में रस चूसने वाले कीटों को नियंत्रित करने के लिए सर्वांगी कीटनाशक का छिड़काव करना चाहिए। फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए 2.5 ग्राम/लीटर पानी में मैन्कोजेब या 3 ग्राम/लीटर पानी में कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का घोल बनाकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। रासायनिक छिड़काव शुष्क और हवा रहित दिनों में किया जाना चाहिए।
मिर्च	मिर्च की फसल में विषाणु रोगों के नियंत्रण के लिए, संक्रमित पौधों (सिकुड़े हुए चितकबरे पत्ते) को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। (जब सिकुड़े हुए धब्बेदार पत्ते दिखाई देने लगें) इन फसलों में रस चूसने वाले कीटों को नियंत्रित करने के लिए, सर्वांगी कीटनाशक का छिड़काव करना चाहिए। फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए, यह सलाह दी जाती है कि मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव किया जाना चाहिए। रासायनिक छिड़काव शुष्क और बिना हवा वाले दिनों में किया जाना चाहिए।रासायनिक छिड़काव शुष्क और हवा रहित दिनों में किया जाना चाहिए।
बैंगन	एक महीने पुरानी रोपाई की गई फसल में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। टॉप ड्रेसिंग को सूखे और बिना हवा वाले दिनों में किया जाना चाहिए।
शिमला मिर्च	एक महीने पुरानी रोपाई की गई फसल में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। टॉप ड्रेसिंग को सूखे और बिना हवा वाले दिनों में किया जाना चाहिए।
लहसुन	परिपक्व लहसुन की फसल में सिंचाई बंद कर देनी चाहिए तथा कंदों की कटाई करके छाया में सुखा लेना चाहिए। कटाई शुष्क दिनों में करनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	विदेशी गायों की उत्पादकता बनाए रखने और उन्हें बीमारियों से बचाने के लिए पशुशाला का तापमान ठंडा करने वाले उपकरणों जैसे पंखा, कूलर या नवीनतम शीतलन उपकरणों का उपयोग करके बनाए रखा जाना चाहिए। विदेशी गायें अत्यधिक गर्मी बर्दाश्त नहीं कर पाती हैं, जिसके कारण उनकी भोजन ग्रहण करने की क्षमता कम हो जाती है जिसका असर उनके उत्पादन पर पड़ता है। इसलिए विदेशी गायों के उत्पादन को बनाए रखने और बीमारियों से बचाने के लिए पशुशाला का तापमान ठंडा करने वाले उपकरणों जैसे पंखा, कूलर या नवीनतम शीतलन उपकरणों का उपयोग करके बनाए रखा जाना चाहिए।
भेंस	गर्मी के मौसम में पशुशाला के पास की नालियों में समय-समय पर मेलाथियान या अन्य कीटनाशक का छिड़काव करना चाहिए। पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था पर पूरा ध्यान देना चाहिए। पीने के लिए बने हौद साफ रखने चाहिए तथा पशुओं को दिन में कम से कम चार बार पानी पिलाना चाहिए। यदि दुधारू पशुओं में थनैला रोग के लक्षण दिखाई दें तो उसका तुरंत उपचार करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	रबी की फसल की कटाई के बाद खली खेत से इस महीने में 10-15 अलग-अलग जगहों से मिट्टी का नमूना लेना चाहिए। मिट्टी का नमूना 20 सेमी की गहराई तक लेना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

16, 19 और 20 मई को गरज और बिजली, तूफान आदि तथा तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है, जिससे युवा पौधों और बुवाई कार्यों पर असर पड़ सकता है। नियमित कृषि गतिविधियों में व्यवधान।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बुवाई में देरी करनी चाहिए और सूखे दिनों में ही बुवाई करनी चाहिए। तेज हवा चलने पर अन्य खेती के कामों से बचना चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details